VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N 30 AUG 2022 No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1841)

Name of Candidate	AAKIP KHAN		
Medium Hindi/Eng.	Hindi	Registration Number	256364
Center	MN	Date	30/08/2022

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6(a)	10	
6(b)	10	
6(c)	10	
7	20	
8	20	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

Signature of Examiner

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWELVE** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बारह प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – A

1. (a) Explain the meaning of self-efficacy, along with its key determinants. Also, discuss the significance of high self-efficacy for a civil servant.

(150 words) 10

आत्म-प्रभावकारिता और इसके प्रमुख निर्धारकों का अर्थ स्पष्ट कीजिए। साथ ही, एक सिविल सेवक के लिए उच्च आत्म-प्रभावकारिता के महत्व पर चर्चा कीजिए।

आत्म - प्रभावकारिता से तात्पर्य, जब कोई व्यक्ति अपनी सम्पूर्ण या अधिक से अधिक से आंतरिक क्षमता के साथ कार्य करने लगे।

इसके प्रमुख निर्धारक ~~व उनका महत्व~~

→ स्व- जागरूकता → व्यक्ति के अपने स्वयं की भावनाओं, अपनी क्षमताओं, कमियों आदि के बारे ज्ञान होना।

स्व- नियंत्रण - व्यक्ति को अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति व उनकी तीव्रता को प्रबंधित करने की क्षमता

स्व - अभिप्रेरणा - व्यक्ति के पास ऐसी क्षमता होने कि वह बाह्य नकारात्मक परिस्थितियों में भी ~~स्वयं को~~ प्रेरित रख सके।

Don't write anything this, margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सामाजिक दक्षता — ऐसी क्षमता जिससे व्यक्ति और लोगों के साथ संबंध बना सके।

एक सिविल सेवक के लिए उच्च आत्म-प्रभावकारिता का महत्व

① सिविल सेवकों को अत्यधिक दबाव में कार्य करना पड़ता है, अतः उनमें ऐसी क्षमताओं का होना आवश्यक है, जिससे वह अपनी भावनाओं को प्रबंधित कर सके, जैसे आई.पी.एस. सुरेंद्र दास द्वारा आत्म हत्या करना।

② सिविल सेवकों को देश के कल्याणकारी लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए, जनता व अपने विभाग के अधिकारियों से स्वस्थ संबंध बनाना पड़ता है, जैसे महाराष्ट्र कैडर के आई.पी.एस. विश्वास नांगरे पाटिल द्वारा बॉडी मास इंडेक्स का प्रयोग।

③ सिविल सेवकों को भ्रष्टाचार से दूर रहने व ईमानदार व वस्तुनिष्ठ बने रहने के लिए स्व-नियंत्रण आवश्यक है, जैसे एस. आर. शंकरण जी का चरित्र।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** Ethics is knowing the difference between what you have the right to do and what is right to do. Discuss. **(150 words) 10**

आपको क्या करने का अधिकार है और क्या करना सही है, इसके मध्य का अंतर जानना ही नीतिशास्त्र है। चर्चा कीजिए।

नीतिशास्त्र, नैतिक मानदण्डों के अध्ययन पर बल देता है, जिसमें किसी व्यक्ति को क्या करना चाहिये से संदर्भ रखा जाता है।

क्या करने का अधिकार व क्या करना सही है में अंतर – नीतिशास्त्र

(1) किसी व्यक्ति को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार है, लेकिन नैतिकता कहती है कि उसका उपयोग किसी दूसरे को नुकसान पहुँचाने में न हो, जैसे (हेट स्पीच), मानहानि आदि।

(2) सरकार के पास शक्तियाँ व अधिकार है, लेकिन नैतिकता उनका उपयोग लोक-कल्याण की ओर करने को कहती है, जैसे – हिटलर ने जो किया सब वैधानिक था, लेकिन अनैतिक भी था, जबकि अब्राहम लिंकन ने नैतिक व वैधानिक दोनों किया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) इसी प्रकार हमारे देश में सूचना का अधिकार प्राप्त है, लेकिन उसमें जानने का अधिकार भी निहीत है, यदि कोई व्यक्ति स्वार्थ के लिए ऐसा करता है, तो वह अधिकार का उपयोग करके भी अनैतिक कर्म करता है, जैसे मार्ट ही-मार्ट का उपयोग ब्लैकमेलिंग के लिए करना।

(4) न्यायपालिका ने प्रत्येक व्यक्ति को लोकहित में सार्वजनिक हित लिटिगेशन (PIL) लगाने का अधिकार दिया है, लेकिन व्यक्ति उसका उपयोग अपनी लोक-प्रतिष्ठा के लिए भी करते हैं, जो वास्तव में अनैतिक है।

अतः नैतिकता मानदंड देती है, व्यक्ति अधिकारों का उपयोग नैतिक रूप से करे तो बेहतर है, किसी ने कहा है—"आदर्श समाज में नैतिकता के आधार में अधिकार चलते हैं।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) Dealing with an ethical dilemma not only requires following rules and regulations, but also requires adherence to moral prudence and altruism. Explain in the context of civil services in India, with examples.

(150 words) 10

किसी नैतिक दुविधा से निपटने के लिए न केवल सहायक नियमों और विनियमों की आवश्यकता होती है, बल्कि नैतिक विवेक और परोपकारिता के पालन की भी आवश्यकता होती है। भारत में सिविल सेवाओं के संदर्भ में उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

नैतिक दुविधा से तात्पर्य जब किसी व्यक्ति के सामने दो या अधिक विकल्प हो; जिसमें से कम से कम एक नैतिक हो और एक को चुनने की बाध्यता हो व किसी को चुनकर भी पूर्ण संतुष्टी न मिले।

नैतिक दुविधा से निपटने में सहायक नियमों, विनियमों के साथ नैतिक विवेक व परोपकारिता की आवश्यकता

→ सहायक नियम व विनियम, किसी विधान में व्याप्त अस्पष्टता को खत्म करते हैं, जिससे एक स्पष्ट मार्ग किसी लोक-सेवक को प्राप्त होता है, जैसे सिविल सेवा (आचरण) नियम - 1961।

→ नैतिक विवेक किसी लोकसेवक को आत्म नियंत्रण प्रदान करता है, और व कठिन निर्णय लेने में सक्षम हो पाता है, जैसे

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आई. ए. एस. ~~पाम~~ आम्स्ट्रांग पाम द्वारा बिना सरकारी सहायता के पिपल्स रोड़ स्टार -पूर्व में बनाना।

→ परोपकारिता, लोकसेवक को संवेदनशील व समानुभूतिपरक बनाती है, जिससे लोकसेवक दुविधा की स्थिति में लोकोन्मुख निर्णय ले पाता है। जैसे आई.ए.एस. कन्नन गोपीनाथ द्वारा केरल बाढ़ के दौरान स्वयं बचाव कार्य में लग जाना।

→ इसके साथ ही यह मूल्य किसी लोकसेवक में (सांवेगिक बुद्धिमता) के आत्मसातीकरण में भी सहायक होते हैं, जिससे लोक-सेवक कठिन परिस्थितियों में भी अच्छे निर्णय ले पाते हैं, जैसे तमिलनाडु के (आई. ए. एस. यू-सगायम) द्वारा ईमानदारी व सत्यनिष्ठा का मार्ग अपनाना।

अतः लोक सेवकों में इन मूल्यों का होना आवश्यक है, तभी हमारी लोक सेवा लोकप्रतिबद्ध बन सकती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (b) The Code of Conduct for the civil services in India has merely remained a code; it has not helped promote ethical and moral values in governance. In this context, discuss the need for a National Commission on Integrity and Transparency in Governance. **(150 words) 10**

भारत में सिविल सेवाओं के लिए आचरण संहिता केवल एक संहिता बनकर रह गई है; इसने शासन (गवर्नेंस) में नीतिपरक और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देने में मदद नहीं की है। इस संदर्भ में, शासन में सत्यनिष्ठा और पारदर्शिता पर एक राष्ट्रीय आयोग की आवश्यकता पर चर्चा कीजिए।

आचरण संहिता, लोकसेवकों के सार्वजनिक या पेशेवर जीवन में औपचारिक आचरण को निर्देशित करती है, और लोकसेवकों को लोक-प्रतिबद्ध बनाने का उद्देश्य रखती है।

आचरण संहिता के संबंध में चिंताएँ

(i) शासन में व्याप्त भ्रष्टाचार के कारण प्रायः लोकसेवक इसका अनुसरण नहीं करते।

(ii) इसके अलावा उचित शिकायत निवारण व निगरानी तंत्र न होने पर, इसका क्रियान्वयन भी अच्छा नहीं रहा है।

(iii) प्रायः लोकसेवा में स्वस्थ कार्य-संस्कृति स्थापित करने में यह सक्षम नहीं रही है, और विभागों में राजनीतिक सॉठ-गाँठ देखी जाती है।

Don't write anything this. margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

अतः सत्यनिष्ठा व पारदर्शिता पर राष्ट्रीय आयोग की आवश्यकता

(i) यह आयोग एक उचित निगरानी तंत्र द्वारा लोक सेवकों के पेशेवर व्यवहार पर नजर रख सकता है।

(ii) आयोग सामयिक निरीक्षण के माध्यम से इस संबंध में प्रगति को भी माप सकता है।

(iii) सत्यनिष्ठा समझौतों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित कर सकता है।

(iv) सरकार को परामर्श की एक बॉडी मिल सकती है, जिससे इस संबंध में सुधार लाये जा सकते है।

अतः कोफी अन्नान ने कहा था, "भ्रष्टाचार एक रोग है तो पारदर्शिता इसका इलाज" अतः इसका सुनिश्चितीकरण आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(a)** Digital ethics principles are necessary to prevent erosion of public values and deal with the ethical implications of digitizing governance systems. Discuss. **(150 words) 10**

सार्वजनिक मूल्यों के क्षरण को रोकने और शासन प्रणालियों के डिजिटलीकरण के नैतिक निहितार्थों से निपटने के लिए डिजिटल एथिक्स सिद्धांत आवश्यक हैं। चर्चा कीजिए।

डिजिटल एथिक्स सिद्धांत, डिजिटल माध्यमों में नैतिक सिद्धांतों को सुनिश्चित करने से संदर्भ रखते हैं।

सार्वजनिक मूल्यों के क्षरण को रोकने व शासन प्रणालियों के डिजिटलीकरण के नैतिक निहितार्थों के लिए डिजिटल एथिक्स सिद्धांत की आवश्यकता

(1) चूँकि वर्तमान में डेटा एक नये मॉडल के रूप में देखा जा रहा है, ऐसे में इसका नैतिक उपयोग महत्व हो जाता है, जिसको यह सिद्धांत सुनिश्चित कर सकते हैं।

(2) साथ ही वर्तमान में साइबर हमले आम हो गये हैं, अतः ऐसे नैतिक सिद्धांत मूल्यों के आत्मसातीकरण के माध्यम से ऐसे हमलों में कमी ला सकते हैं;

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

⇒ वर्तमान में डीपफेक व डार्क नेट जैसी तकनीकें किसी भी व्यक्ति के भविष्य पर लांछन लगा सकती हैं, अतः इन तकनीकों के अनैतिक उपयोग को रोकने के लिए इन सिद्धांतों की आवश्यकता है।

⇒ सरकारें भी निगरानी करने लगी हैं, जैसे भारत में पेगासस जासूसी मामला ऐसे में निजता की सुरक्षा के लिए ऐसे सिद्धांतों की आवश्यकता है।

⇒ डिजिटल डम के कारण शासन में कुछ गरीब लोगों के छूटने का भी डर रहता है, ऐसे में नैतिक मूल्य ही लोक-कल्याण की दिशा प्रदान करते हैं।

अतः ऐसे सिद्धांत वैश्विक व राष्ट्रीय स्तर पर होने चाहिये ताकि समाज को नैतिक बनाया जा सके।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. **(b)** Despite differences in terms of organizational values guiding the public and private sectors, there remain certain values that are equally important to both. Discuss. **(150 words) 10**

सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों को निर्देशित करने वाले संगठनात्मक मूल्यों के संदर्भ में मतभेदों के बावजूद, कुछ मूल्य ऐसे हैं, जो दोनों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। चर्चा कीजिए।

मूल्य, किसी व्यक्ति या समाज में ऐसे मानदंड होते हैं, जिन्हें आधार बनाकर वह अपने मानक सुनिश्चित करते हैं।

निजी व सार्वजनिक जीवन में मूल्यों का मतभेद

(1) सार्वजनिक जीवन में संबंध औपचारिक होते हैं, जबकि निजी जीवन में अनौपचारिक।

(2) सार्वजनिक जीवन में हम ऐसे लोगों से भी संबंध बनाते हैं, जिनसे हमारे विचार नहीं मिलते, जबकि निजी जीवन में हम समान विचारों वाले व्यक्तियों से संबंध रखते हैं।

(3) निजी जीवन के मूल्यों में आधार भावनाएँ, रक्त संबंध आदि होते हैं, जबकि सार्वजनिक जीवन में कोई विधान, नियम या विनियम संबंधों के आधार होते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

लेकिन कुछ मूल्य ऐसे हैं जो दोनों के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण

① सत्यनिष्ठा जैसे मूल्य निजी व सार्वजनिक दोनों जीवन में स्वस्थ संबंध बनाने के लिए आवश्यक है।

② समानुभूति व सहानुभूति जैसे मूल्य निजी जीवन व सार्वजनिक जीवन दोनों में लोक-प्रतिबद्धता के लिए आवश्यक है।

③ साथ ही कुछ मूल्य व्यक्ति परिवार से ही सीखता है जैसे महिलाओं का सम्मान, जो सार्वजनिक जीवन में भी आवश्यक है।

अतः सार्वजनिक व निजी-जीवन को अलग करना मुश्किल है, इनमें संबंधों की अन्तर्संबद्धता होना भी जरूरी है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) Bring out the difference between accountability and responsibility. Also, discuss the significance of accountability in ensuring ethical governance in the context of India. (150 words) 10

जवाबदेही और उत्तरदायित्व के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। साथ ही, भारत के संदर्भ में नैतिक शासन (एथिकल गवर्नेंस) को सुनिश्चित करने में जवाबदेही के महत्व की विवेचना कीजिए।

जवाबदेही व उत्तरदायित्व के बीच काफी समानताएँ हैं लेकिन कुछ अंतर भी हैं।

अंतर का आधार	उत्तरदायित्व	जवाबदेही
परिभाषा	उत्तरदायित्व किसी कार्य को करने की जिम्मेदारी से संदर्भ रखता है। जैसे किसी टीम के सामान्य सदस्य का उत्तरदायित्व, लेकिन जवाबदेह नहीं।	जवाबदेही न सिर्फ कार्य को करने से संदर्भ रखती है बल्कि जनता या सरकार के प्रति जवाबदेह भी होती है। जैसे विक्रम साराभाई द्वारा SLV3 लॉन्च फेल होने पर स्वयं को जवाबदेह मानना।
किसके प्रति	सामान्यतः किसी कार्य के प्रति	यह सरकार या जनता के प्रति
सार्वजनिक भागीदारी	इसका आधार नैतिक है, इसीलिए सार्वजनिक भागीदारी नहीं होती।	इसमें फीडबैक, सामाजिक अंकेक्षण आदि माध्यम सार्वजनिक भागीदारी बढ़ाते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारत में नैतिक शासन के लिए जवाबदेही का महत्व

1. जवाबदेहिता, कहीं न कहीं, लोक सेवकों को लोक प्रतिबद्ध बनाती है, जैसे भार्ड. ए. एस. यू-उपाध्याय द्वारा अपनी संम्पत्ति को सार्वजनिक करना।

2. जवाबदेहिता, शासन में सार्वजनिक भागीदारी सुनिश्चित करती है, जैसे मनरेगा में सामाजिक अंकेक्षण।

3. जवाबदेहिता, शासन में सत्यनिष्ठा व वस्तुनिष्ठा को भी बढ़ावा देती है, जैसे आई. ए. एस. सौम्या पांडे द्वारा अपने शिशु को लेकर कोविड के दौर लोक-कार्य करना।

4. पारदर्शिता, जवाबदेहिता से अभिन्न है, अतः शासन में पारदर्शिता भी आती है, जैसे सूचना का अधिकार अधि. 2005।

अतः सरकार को नागरिक चार्टर, सामाजिक अंकेक्षण, ऑनलाइन फीडबैक के माध्यम से जवाबदेहिता सुनिश्चित करनी चाहिये।

4. **(b)** Though laws and rules can be considered as the principal guide on morality for public administrators, they are not sufficient in themselves. Substantiate with examples. **(150 words) 10**

हालांकि कानूनों और नियमों को लोक प्रशासकों के लिए नैतिक आदर्शों हेतु प्रमुख मार्गदर्शक माना जा सकता है, किंतु ये अपने आप में पर्याप्त नहीं हैं। उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए।

कानून व नियम, प्रायः किसी भी क्षेत्र को शासित करने के लिए बनाये गये शासकीय मानदंड हैं, सामान्यतः कानूनों के स्पष्टीकरण के लिए नियम लाये जाते हैं।

कानून व नियम में संबंध

लोक प्रशासकों के लिए प्रमुख ~~मर्यादसूचक~~ मार्गदर्शक

① इससे लोक-प्रशासक अपने अन्य संभागीय अधिकारियों से संबंध बना पाते हैं, जैसे आचरण संहिता।

② साथ ही इससे लोक-प्रशासक दुविधाओं से बच सकते हैं।

③ साथ ही कानून व नियम कहीं न कहीं शासन में स्पष्टता व निर्णयों में स्वैच्छिकता को कम करते हैं।

लेकिन यह अपने आप में साध्य नहीं है, जैसे —

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

⇒ कई बार नैतिकता व कानून में दुविधा आ जाती है, जैसे किसी गरीब व्यक्ति के पास प्रमाणपत्र न होने पर सार्वजनिक वितरण खाद्यान्न प्रणाली से लाभ न मिलना।

⇒ साथ ही कानून, सभी नैतिक मानकों को अपने-आप में समाहित नहीं कर सकते, जैसे दया या करुणा व्यक्तिनिष्ठ धारणाएं हैं, जो सिर्फ नैतिकता से निर्देशित होती हैं।

⇒ कई बार कानून ही अनैतिक करने का हथियार बन जाते हैं, मार्टिन लूथर किंग ने कहा था कि हिटलर ने जो जर्मनी में किया सब वैधानिक था।

अतः विद्वान ने कहा है कि कानून, नैतिकता के सागर में तैरते वाले द्वीप हैं, प्रायः इनका नैतिक होना आवश्यक है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. **(a)** Transparency is vital to cultivate public trust in government and to prevent, detect and deter corruption effectively. Comment.

(150 words) 10

पारदर्शिता, सरकार में जनता के विश्वास को विकसित करने और भ्रष्टाचार को प्रभावी ढंग से रोकने, इसका पता लगाने एवं निवारण करने के लिए महत्वपूर्ण है। टिप्पणी कीजिए।

पारदर्शिता से तात्पर्य, सरकार के कार्यों की सम्पूर्ण जानकारी जनता तक पहुँचाना व कार्यों के संदर्भ में जवाबदेहिता होने से है।

पारदर्शिता → जनता का विश्वास, व भ्रष्टाचार रोकने में सहायक

(1) पारदर्शिता के कारण, जनता व सरकार में स्वस्थ संबंध स्थापित हो पाते हैं, जिससे जनता का विश्वास बढ़ता है।

(2) पारदर्शिता, कहीं न कहीं जनता की शासन में भागीदारी सुनिश्चित करती है, जिससे जनता की विश्वसनीयता बढ़ती है, जैसे नागपुर में भागीदारी पूर्ण बजट निर्माण प्रक्रिया

भ्रष्टाचार

Don't write anything this, margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(1) भ्रष्टाचार, गोपनीयता व स्वैच्छिकता का परिणाम माना जाता है, जिसका इलाज पारदर्शिता है

(2) साथ ही यदि कोई ऐसा आचरण हुआ है, तो पारदर्शिता के कारण सही व वैध जाँच सुनिश्चित हो पाती है व दोषी पकड़ा जाता है।

(3) कहीं न कहीं पारदर्शिता भ्रष्ट अधिकारियों के लिए बाधा व ईमानदार अधिकारियों के लिए प्रेरणा का कार्य करती है।

अतः किसी विद्वान ने कहा है "भ्रष्टाचार एक रोग है जो पारदर्शिता इसका आवश्यक इलाज है।" संभवतः नागरिक चार्टर, सेवोत्तम मोडल, सूचना के अधिकार आदि के माध्यम से इसे सुनिश्चित करना चाहिये

5. **(b)** 'Just-in-time' release of funds heralds a significant reform for the Indian government's payment architecture. Discuss. **(150 words) 10**

'सही समय पर' फंड जारी करना भारत सरकार की भुगतान संरचना के लिए एक महत्वपूर्ण सुधार की शुरुआत है। चर्चा कीजिए।

भारत की भुगतान संरचना सरकारी ई-मार्केट प्लेस, मनरेगा व अन्य खरीदारियों से संबंध रखती है।

'सही समय पर' फंड जारी करना — एक महत्वपूर्ण सुधार

(1) इससे जनता का सरकार में विश्वास बढ़ता है, जैसे मनरेगा कर्मियों को भुगतान।

(2) साथ ही सरकारी कार्यों के अपेक्षित उद्देश्य पूर्ण होते हैं, जैसे प्रधानमंत्री मातृत्व योजना में 6000 रुपये स्वास्थ्य के लिए देना।

(3) साथ ही खरीदारी तीव्र हो पाती है, जैसे रक्षा खरीद उपकरण।

(4) इससे निजी-क्षेत्र का सरकारी कार्यप्रणाली में विश्वास बढ़ता, जो निवेश को बढ़ाता है, — पी.पी.पी. परियोजनाओं में।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) साथ ही कभी न कभी गरीबों को लोक-कल्याण का लाभ प्राप्त होता है, जैसे वृद्धों की पेंशन आदि।

अतः सरकार सेवा वितरण में ऑनलाइनतंत्र का उपयोग, कर प्रशासन तंत्र में सुधार ला सकती है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. What do each of the following quotations mean to you?
निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

(a) "The happiness of your life depends upon the quality of your thoughts."- Marcus Aurelius **(150 words) 10**

"आपके जीवन की खुशी आपके विचारों की गुणवत्ता पर निर्भर करती है।" - मार्कस ऑरेलियस

विचारों की गुणवत्ता, संभवतः हमारे द्वारा मन में लाये गये विचारों के संदर्भ से सरोकार रखता है, जैसे नकारात्मक एवं सकारात्मक गुणवत्ता का विचार है।

जीवन की खुशी → विचारों की गुणवत्ता पर निर्भर

① अच्छे विचार न सिर्फ स्वयं के विकास बल्कि औरों के विकास में सहायक बनकर, परोपकार करते हैं, जिससे आंतरिक खुशी मिलती है, जैसे महात्मा गाँधी जी की हृदय-परिवर्तन संबंधी विचार।

② गुणवत्तापूर्ण विचार, व्यक्ति को आत्म-संतुष्टि भी प्रदान करते हैं, जैसे कहा जाता है कि कोई व्यक्ति खुश है, क्योंकि वह उन चीजों के बारे में नहीं सोचता, जो उसके पास नहीं है।

→ गुणवत्तापूर्ण विचार, सामाजिक लाभ प्रदान करते हैं, जिससे समाज व व्यक्ति दोनों को खुशी मिलती है, जैसे रूसो के विचार से क्रांतिकारी समाज में खुशी

→ बुरा विचार, व्यक्ति के दुःखी होने का कारण बनते हैं जैसे हिटलर के नफरत भरे विचार, अंत में उसके भयानक अंत का कारण बने

→ खराब विचार, व्यक्ति के अंदर नकारात्मक प्रतिस्पर्धा पैदा करते हैं, जैसे किसी को पीछे रखने की चाह आदि

प्रायः प्रत्येक व्यक्ति को अच्छे विचारों वाला व्यक्ति बनना चाहिये, महात्मा गाँधी ने कहा है – "व्यक्ति जो सोचता है, वही बनता है।"

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. **(b)** "The forces in a capitalist society, if left unchecked, tend to make the rich richer and the poor poorer." — Jawaharlal Nehru **(150 words) 10**
"एक पूंजीवादी समाज की शक्तियों को अगर अनियंत्रित छोड़ दिया जाए तो वे अमीर को और अमीर तथा गरीब को और गरीब बना देंगी।" - जवाहरलाल नेहरू

पूँजीवादी समाज, व्यापार प्रणाली में पूँजीवादी ढाँचे पर टिका होता है, जिसमें सामान्यतः मुक्त बाजार प्रणाली को अपनाया जाता है।

पूँजीवादी समाज – असमानता को बढ़ाना

① पूँजीवादी समाज में सभी मूल्यों का आधार धन होता है, इसीलिए व्यक्ति धन की चाह में सभी अनैतिक कार्य करता है, जैसे अफ्रीका में डायमंड-खनन- बड़ी कंपनियों द्वारा

② पूँजीवादी समाज प्रायः उपभोक्तावादी व दिखावटी समाज होता है, ऐसे में इस समाज में प्रतिष्ठा को प्राप्त करने में भी होड़ होती है, न कि कल्याण में, जैसे विभिन्न नेताओं द्वारा लोक-लुभावन अपनाना

③ ऐसे समाज में संसाधनों पर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

एक विशिष्ट वर्ग का कब्जा होता है, जिससे अन्य वर्ग अवसर में पिछड़ जाते हैं; जैसे भारत में 10% अमीरों के पास 58% सम्पत्ति का मालिकाना होना।

लेकिन यह कथन पूर्णतः सत्य नहीं है

(1) पूँजीवादियों के अनुसार, सम्पत्ति बढ़ने से उसका फैलाव भी होता है, जिससे समानता आती है।

(2) विश्व में अनेकों परोपकारी संगठन पूँजीवादी संस्कृति होने के बावजूद कार्यरत हैं जो सामाजिक समानता के लिए कार्य कर रहे हैं, जैसे विश्व खाद्य कार्यक्रम।

निष्कर्षतः, पूँजीवाद अनियंत्रित न होकर, नियंत्रित होना चाहिए, ताकि लोक-कल्याण को साधा जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. (c) "Honesty is the first chapter in the book of wisdom". – Thomas Jefferson (150 words) 10

"ज्ञान की पुस्तक का पहला अध्याय ईमानदारी है।" - थॉमस जेफरसन

ईमानदारी, किसी व्यक्ति का सत्यनिष्ठ आधारों पर जीवन जीने एवं मन, वचन व कर्म के आधार पर ईमानदार होने से संदर्भ रखती है।

ईमानदारी → आधारभूत ज्ञान

(1) ईमानदारी, किसी भी व्यक्ति को सज्जन व परोपकारी बनाती है, जैसे एस. आर. संकरन।

(2) ईमानदारी, किसी भी व्यक्ति को सत्यनिष्ठ व वस्तुनिष्ठ भी बनाती है, जैसे सर डॉ. विश्वैश्वरैया द्वारा सेवानिवृत्त होने पर सरकारी साधन का प्रयोग न करना।

(3) ईमानदारी, किसी भी व्यक्ति को लोक-प्रतिष्ठित बनाती है, जैसे सर डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम द्वारा ईमानदारी पर रहकर सम्पूर्ण जिंदगी देश सेवा में लगाना।

(4) ईमानदारी किसी भी सरकार व कम्पनी के शासन का आधारभूत तत्व है, जैसे शासन में भ्रष्टाचार रोकना, हाल ही मे इलाहाबाद के ट्रैफिक पुलिस कर्मी निलाम्बर सिन्हा द्वारा 45 लाख का बैग वापिस लौटाना इसका उत्कृष्ट उदाहरण है।

लेकिन ईमानदारी के साथ-साथ व्यक्ति को वस्तुनिष्ठ, करुणामय, सेवाभाव वाला होना भी आवश्यक है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

SECTION – B

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

निम्नलिखित प्रश्नों में, प्रस्तुत प्रकरणों का ध्यानपूर्वक अध्ययन कीजिए और उसके बाद आने वाले प्रश्नों के उत्तर दीजिए (लगभग 250 शब्दों में):

7. You are posted as a District Magistrate in a district, which is witnessing a high caseload of COVID-19 pandemic patients. The physical infrastructure and human resources in the district are stretched much beyond their capacity. At the peak of the pandemic, certain reports emerge that the District Medical Officer has been misusing his position to abuse female employees in his department and coercing them to have sexual relations with him. However, the concerned officer not only has an impeccable academic record but also a profound professional track record. You also need his presence and guidance to deal with the pandemic situation in the district. But, there is pressure from the media and civil society organisations to immediately report the matter to the State authorities for action against the concerned officer.

Given the situation, answer the following:

(a) Identify the stakeholders and issues involved in the above case.

(b) What are the options available to you? Discuss their pros and cons.

(c) What will be your final course of action? Justify with reasons. **(20)**

आप एक ऐसे जिले में जिला मजिस्ट्रेट के रूप में तैनात हैं, जहां कोविड-19 महामारी के रोगियों की संख्या काफी अधिक है। जिले में भौतिक आधारभूत संरचना और मानव संसाधन का उनकी क्षमता से बहुत अधिक दोहन हो रहा है। महामारी के चरम पर, कुछ रिपोर्ट्स सामने आती हैं कि जिला चिकित्सा अधिकारी अपने पद का दुरुपयोग कर अपने विभाग में महिला कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार कर रहा है एवं उन्हें उसके साथ यौन संबंध बनाने के लिए मजबूर कर रहा है। हालांकि, संबंधित अधिकारी का न केवल त्रुटिहीन अकादमिक रिकॉर्ड है, बल्कि उसका पेशेवर ट्रैक रिकॉर्ड भी बहुत अच्छा है। जिले में महामारी की स्थिति से निपटने के लिए आपको उनकी उपस्थिति और मार्गदर्शन की आवश्यकता है। लेकिन, मीडिया और नागरिक समाज संगठनों की ओर से संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के लिए राज्य के अधिकारियों को तुरंत मामले की सूचना देने का दबाव है।

ऊपर दी गयी स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? उनके गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए।

(c) आपकी अंतिम कार्रवाई क्या होगी? कारण सहित औचित्य सिद्ध कीजिए।

उपर्युक्त संदर्भ प्रायः सार्वजनिक जीवन में दृढ़ता व ईमानदारी के महत्व के रेख को उजागर करता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) हितधारक

- जिला मजिस्ट्रेट
- कोविड-19 के रोगी
- संबंधित जिला चिकित्सा अधिकारी
- महिला कर्मी, जिनके साथ गलत व्यवहार का आरोप है।
- सिविल समाज के संगठन व मीडिया
- राज्य के प्राधिकरण
- आम जन

संबंधित मुद्दे

(1) जिले में पहले ही मानव संसाधन का अभाव है, ऐसे में कार्यवाही करना और मुश्किल हो सकता है।

(2) जिले में अवसंरचना का क्षमता से अधिक उपयोग हो रहा है, मीडिया के ऐसे दबाव और अधिक दबाव बढ़ाने का कार्य करते हैं।

(3) साथ ही ऐसी रिपोर्टें, महामारी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

के ऐसे चरम स्तर पर, जनता के समक्ष विश्वसनीयता का प्रश्न भी खड़ी करती है।

(4) जहाँ मानव संसाधनों की अधिक आवश्यकता है, वहीं ऐसी रिपोर्टें उपस्थित मानव संसाधन के मनोबल को भी कम करती हैं।

(5) ऐसी परिस्थिति में टीम वर्क की आवश्यकता होती है, ऐसी रिपोर्टें कार्य संस्कृति को अस्वस्थ बनाती हैं।

(6) हमारे समक्ष उपलब्ध विकल्प

(i) अधिकारी के खिलाफ केस न किया जाए

गुण	दोष
(1) महामारी में अधिकारी की आवश्यकता है।	(1) जनता का सरकार से विश्वास घटता है।
(2) महामारी के दौरान स्वास्थ्य प्रबंधन सबसे अहम है।	(2) महिला कर्मियों को असुरक्षा महसूस होती है।
	(3) कार्य संस्कृति खराब होने की संभावना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) अधिकारी के खिलाफ एक्शन प्राधिकरण में रिपोर्ट की जाए

गुण	दोष
① इससे मीडिया व नागरिक समाज को शांत किया जा सकता है।	① ऐसे समय में अधिकारी पर कार्यवाही, महामारी प्रबंधन को अस्तव्यस्त कर सकती है।
② महिला-कर्मियों का विश्वास बढ़ सकता है।	② ध्यान महामारी प्रबंधन से इस ओर होगा, जबकि महामारी अपने चरम पर है।

(iii) कुछ समय के लिए कुछ न किया जाए, जबकि महामारी पर नियंत्रण के बाद कार्यवाही हो

गुण	दोष
- इससे महामारी प्रबंधन सुचारू रहेगा।	- हो सकता है, और अधिक दबाव बढ़ जाये,
- मीडिया व नागरिक समाज संगठन भी शांत हो सकते हैं।	- महिला कर्मी, अपने आप को ठगा हुआ महसूस करे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

ⓒ अंतिम कार्रवाई

(1) मामले की गहराई को देखते हुए राज्य सरकार से किसी अन्य अधिकारी की तुरंत तैनाती की जा सकती है, लेकिन ऐसा सिर्फ उचित जाँच के पश्चात ही — इसलिए

(a) सर्वप्रथम मामले की गहराई को समझा जाएगा, यदि सिर्फ आरोप हैं तो कुछ न करने का निर्णय उचित होगा।

(b) यदि मामले में कुछ सच्चाई है तो राज्य सरकार से अधिकारी तुरंत बुलाये जायें क्योंकि —

- इससे महामारी प्रबंधन सुनिश्चित होगा,
- साथ ही कार्यवाही यदि जरूरत हुई तो हो सकेगी।
- साथ ही मानव संसाधन के कठिन समय में तुरंत कार्यवाही से भी बचा जा सकेगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. You are posted as the Superintendent of Police (SP) of a district, which has witnessed several lynching related crimes in the recent past. One day, a police station in the district got an SOS that in a particular village under their jurisdiction, two women have been accused of witchcraft and are now being paraded naked by the villagers. Given the past record of crimes in the village, it was likely that they would be killed by the villagers. When a police team from the station reached the spot and tried to save the two women from the mob, a scuffle broke out. In the ensuing scuffle, the police were brutally attacked and they had to retaliate by lathicharging in order to save themselves. The incident left three villagers dead. There is anger amongst the villagers, who are also a critical vote bank of the ruling party in the state. As the SP, you have been instructed to institute a quick enquiry and take the strictest action against the police team who lathicharged. You are aware that with elections around the corner, you need to diffuse the situation quickly.

Given the situation, answer the following :

(a) Identify the stakeholders and the issues involved in the above case.

(b) What are the options available to you? Which of these will you choose and why?

(c) As an objective and scientfic-tempered administrator, what steps will you suggest in the long-run to deal with mob lynching? **(20)**

आप उस जिले के एक पुलिस अधीक्षक (SP) के रूप में तैनात हैं, जहां हाल के दिनों में लिंचिंग से संबंधित कई अपराध हुए हैं। एक दिन, जिले के एक पुलिस स्टेशन को एक SOS मिला कि उनके क्षेत्राधिकार के एक विशेष गांव में दो महिलाओं पर जादू टोना करने का आरोप लगाया गया है और ग्रामीणों द्वारा उन्हें नग्न अवस्था में घुमाया जा रहा है। गांव में अपराधों के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए, यह संभावना थी कि उन्हें ग्रामीणों द्वारा मार दिया जाएगा। थाने से पुलिस की टीम जब मौके पर पहुंची और दोनों महिलाओं को भीड़ से बचाने का प्रयास किया तो हाथापाई हो गई। आगामी हाथापाई में, पुलिस पर बेरहमी से हमला किया गया और उन्हें स्वयं को बचाने के लिए लाठीचार्ज करके जवाबी कार्रवाई करनी पड़ी। इस घटना में तीन ग्रामीणों की मौत हो गई। ग्रामीणों में इस बात को लेकर गुस्सा है, जो राज्य में सत्ताधारी पार्टी का एक महत्वपूर्ण वोट बैंक भी हैं। एक SP के रूप में, आपको त्वरित जांच करने और लाठीचार्ज करने वाली पुलिस टीम के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। आप जानते हैं कि चुनाव नजदीक हैं, आपको स्थिति को जल्द से जल्द शांत करने की आवश्यकता है।

ऊपर दी गयी स्थिति को देखते हुए, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों और मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों?

(c) एक वस्तुनिष्ठ और वैज्ञानिक स्वभाव वाले प्रशासक के रूप में, मॉब लिंचिंग से निपटने के लिए दीर्घावधि में आप क्या कदम सुझाएंगे?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपर्युक्त प्रकरण सार्वजनिक जीवन में राजनीतिक हस्तक्षेप व दबाव का प्रत्यक्ष उदाहरण प्रस्तुत करता है।

(a)

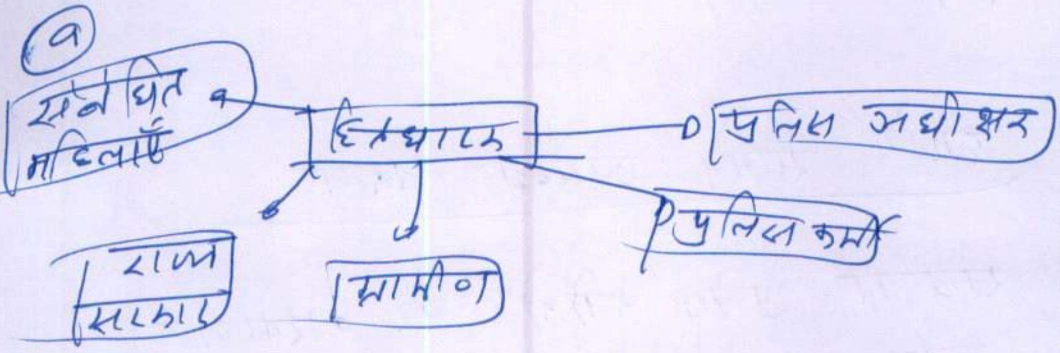

शामिल मुद्दे

→ साथ: पुलिस-कर्मियों के कार्यचार्य में निहित आवश्यकता व राज्य सरकार का उन पर कार्यवाही करने का दबाव।

→ ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं के प्रति व्याप्त अंध-विश्वास।

→ पुलिस बल के समक्ष, सार्वजनिक जीवन में व्याप्त दबाव व जनता का उन पर गुस्सा।

→ पुलिस जैसे बलों पर अत्यधिक राजनीतिक दबाव व निष्पक्ष कार्यवाही

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

न हो पाना।

→ राजनेताओं का जनता के दबाव व वोट बैंक की आड़ में अव्यवहारिक निर्णय लेना।

(b) हमारे सामने उपलब्ध विकल्प

(i) संबंधित पुलिस कर्मियों पर कार्यवाही की जाए

- नुकसान: निष्पक्ष कार्यवाही नहीं हो पाएगी
- लाभ: राज्य सरकार का दबाव कम होगा

(ii) कार्यवाही की जाए पर निष्पक्ष व तार्किक रूप से

- नुकसान: राज्य सरकार का दबाव
- लाभ: कार्यवाही निष्पक्ष होगी

हम इनमें से द्वितीय विकल्प को चुनेंगे क्योंकि —

(i) कार्यवाही का निष्पक्ष होना आवश्यक है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(ii) लोक सेवकों को राजनीतिक दबाव में कार्य नहीं करना चाहिए।

(iii) साथ ही लोक सेवकों में सत्यनिष्ठा व वस्तुनिष्ठा जैसे मूल्यों का होना आवश्यक है।

(iv) साथ ही महिलाओं के प्रति ग्रामीण रवैये व अपराध के खिलाफ भी कार्रवाई कानूनी माँग है।

(v) इसके अलावा लोकसेवकों में संविधान के प्रति प्रतिबद्धता आवश्यक है।

(c) मॉबलिंचिंग को रोकने के लिए रीधविधि के सुझाव

(i) जन-शिक्षा व संचार माध्यमों के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने पर बल देना, ताकि महिलाओं के प्रति चुड़ैल रूप, जादू-टोना जैसे पूर्वाग्रह खत्म हो सकें।

(ii) साथ ही ग्रामीण साक्षरता में वृद्धि पर बल देना, इसके लिए इतर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

स्तरों तक विद्यालयों की स्थापना आवश्यक है।

(iii) विभिन्न संप्रदायों को लेकर होने वाली ~~मॉब~~ मॉब लिंचिंग को रोकने के लिए स्थानीय स्तर तक निगरानी नेटवर्क बनाना।

(iv) सोशल मीडिया पर हेट स्पीच आदि को रोकने पर बल देना, [उदयपुर लिंचिंग]

(v) साथ ही एक आवश्यक केन्द्रीय विधान बनाना, जिसमें ऐसे मामलों के खिलाफ ~~सख्त~~ कार्रवाही के मानदण्ड हो।

(vi) एक शिकायत-निवारण बोर्ड भी स्थापित होनी चाहिये।

अतः उपर्युक्त प्रयासों से इस समस्या से निपटा जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

9. You are an Airworthiness Officer posted with the Directorate General of Civil Aviation, tasked to conduct the safety audit of a major airline of the country. During the recent audit, you find that some of the airplanes belonging to the airline do not fully meet a few of the International Civil Aviation Organization (ICAO) safety standards. The issues are minor, mainly pertaining to some incomplete aircraft maintenance logs and safety rules related to training of the crew. The airline belongs to a very influential business conglomerate with close ties to all major national political parties and has a long history of ethical business practises. The point person appointed by the airline to communicate with you has assured that everything will be in order in a couple of months. Your senior in the department has also indicated that it is best not to mention such minor issues in the report, particularly given the image of the business group involved and the trust it enjoys. He also reiterates the assurance given by the airline to address these issues at the earliest in a time-bound manner. However, you are aware that airline safety norms are paramount and every other consideration is secondary to the safety of the crew and passengers. As a public servant appointed to uphold public trust, answer the following:

(a) Bring out the dilemmas that you face, elaborating on the competing values in the given situation.

(b) What are the options available to you? Discuss the merits and demerits of each. Which of these will you choose and why? **(20)**

आप नागरिक उड्डयन महानिदेशालय में तैनात एक वायुयान अधिकारी हैं, जिसे देश की एक प्रमुख एयरलाइन की सुरक्षा ऑडिट करने का काम सौंपा गया है। हाल के ऑडिट के दौरान, आप पाते हैं कि उस एयरलाइन से संबंधित कुछ हवाई जहाज अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (ICAO) के कुछ सुरक्षा मानकों को पूरी तरह से पूर्ण नहीं करते हैं। ये मुद्दे बहुत मामूली हैं, जो मुख्य रूप से कुछ अधूरे विमान रखरखाव लॉग और चालक दल के प्रशिक्षण से संबंधित सुरक्षा नियमों से संबंधित हैं। एयरलाइन का सभी प्रमुख राष्ट्रीय राजनीतिक दलों से घनिष्ठ संबंध है और साथ ही यह एक बहुत ही प्रभावशाली व्यापारिक समूह से संबंधित है एवं इसका नैतिक व्यापार व्यवसाय का एक लंबा इतिहास है। आपके साथ बात-चीत करने के लिए एयरलाइन द्वारा नियुक्त व्यक्ति ने आश्वासन दिया है कि कुछ महीनों में सब व्यवस्थित हो जाएगा। विशेष रूप से इसमें शामिल व्यावसायिक समूह की छवि और इसे प्राप्त विश्वास को देखते हुए विभाग में आपके वरिष्ठ ने भी संकेत दिया है कि रिपोर्ट में ऐसे छोटे-छोटे मुद्दों का उल्लेख न करना ही बेहतर है। उन्होंने एयरलाइन द्वारा इन मुद्दों को जल्द से जल्द समयबद्ध तरीके से संबोधित करने के लिए दिए गए आश्वासन को भी दोहराया। हालांकि, आप जानते हैं कि एयरलाइन सुरक्षा मानदंड सर्वोपरि हैं और चालक दल एवं यात्रियों की सुरक्षा के लिए कोई भी अन्य विचार गौण हैं। जनता के विश्वास को बनाए रखने के लिए नियुक्त एक लोक सेवक के रूप में, निम्नलिखित के उत्तर दीजिए:

(a) दी गई स्थिति में प्रतिस्पर्धी मूल्यों का सविस्तार वर्णन करते हुए, आपके सामने आने वाली दुविधाओं पर प्रकाश डालिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं? प्रत्येक के गुणों और दोषों की विवेचना कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों?

उपर्युक्त प्रकरण, कॉर्पोरेट शासन में कम्पनी व जनता के संबंधों को स्पष्ट करते हैं, जहाँ प्रतिष्ठा व सार्वजनिक हित सामने आ रहे हैं।

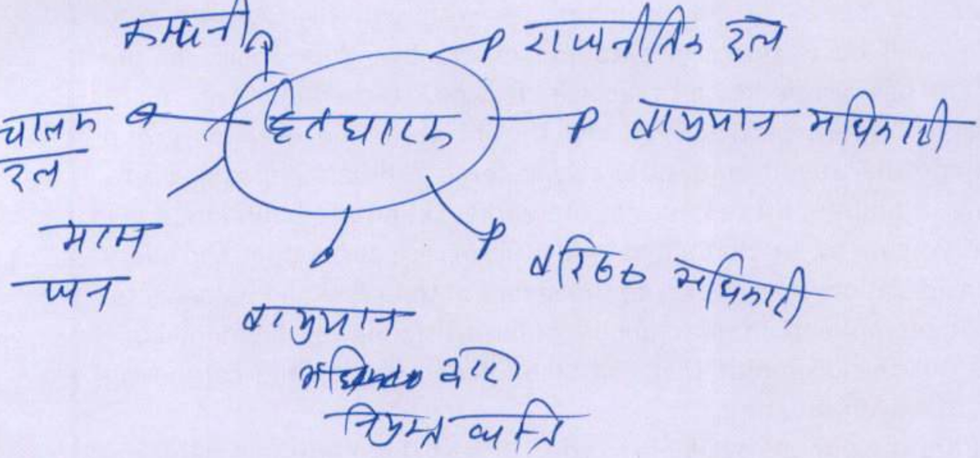

(a) उपर्युक्त प्रकरण में व्याप्त प्रतिस्पर्धी मूल्य :

(1) कम्पनी की प्रतिष्ठा बनाम सार्वजनिक हित

(2) कम्पनी का आर्थिक लाभ बनाम सार्वजनिक सुरक्षा

(3) राजनीतिक हित बनाम सार्वजनिक हित

(4) कम्पनी की प्रतिष्ठा बनाम लोकसेवक का कर्तव्य

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(5) कम्पनी व वरिष्ठ अधिकारी द्वारा दिया गया विश्वास | बनाम | सुरक्षा संबंधित अनिवार्यता

(6) कार्पोरेट शासन कि मूल्य | बनाम | कंपनी का हित

(b) मेरे समक्ष उपलब्ध विकल्प

(i) कम्पनी व वरिष्ठ अधिकारी की मानकर कुछ न किया जाए

गुण	दोष
(1) कम्पनी की प्रतिष्ठा बचेगी।	(1) कम्पनी के आश्वासन पर सार्वजनिक सुरक्षा को दाव पर नही लगाया जा सकता।
(2) कम्पनी का आश्वासन भी है।	(2) लोक सेवक का मूल्य निष्पक्षता है, जिसे हर समय बरतना चाहिये, जैसा की कोर्ट ने कहा है।
(3) बहुत छोटी त्रुटियाँ है।	
(4) राजनीतिक दबाव भी नही मानगी	

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) कम्पनी की त्रुटियों को रिपोर्ट में डाला जाए

गुण	दोष
(i) सार्वजनिक सुरक्षा के लिए आवश्यक है।	बड़ी कम्पनी की विश्वसनीयता खराब हो सकती है।
(ii) लोक सेवक का कर्तव्य है, कि वह कमियों को सामने लाए	(ii) राजनीतिक दबाव भी आ सकता है, जैसा कि गद्यांश में बताया गया है, कम्पनी राजनीतिक रूप से प्रभावशाली है।

=> हम इनमें से द्वितीय विकल्प को चुनेंगे क्योंकि :-

(i) छोटी हो या बड़ी त्रुटि-त्रुटि ही होती है।

(ii) लोक सेवक, कानून के अधीन कार्य करने हेतु बाध्य है अतः कानून के अनुरूप उसे विवेक का उपयोग नहीं करना चाहिये।

(iii) लोक सुरक्षा सबसे सर्वोपरि है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iv) निष्पक्षता व वस्तुनिष्ठा जैसे मूल्य ऐसी ही परिस्थितियों में जाँचे जाते हैं।

अतः लोकसेवकों को संविधान व नोलन समिति की रिपोर्ट के मजबूत नैतिक सिद्धांतों पर कार्य करना चाहिये

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. With the advent of 24x7 news and prevalence of an array of news sources across the board, the media is omnipresent in nature. In this competitive environment, many media professionals who are overcome by deadlines, bottom-line imperatives, and corporate interests are losing sight of the ethical implications of their work. Further, there have been several cases of irresponsible reporting where the reportage has interfered with court proceedings, compromised delicate security situations or led to the spread of fake or unverified news. In this context, answer the following questions:

(a) Identify the ethical issues prevalent in the profession of media.

(b) How does unethical reporting and sensationalization of news impact the society?

(c) What can be done to strengthen the role of ethics in media? **(20)**

24x7 समाचारों की शुरुआत और संपूर्ण बोर्ड पर समाचार स्रोतों की एक श्रृंखला के प्रसार से, मीडिया प्रकृति में सर्वव्यापी है। इस प्रतिस्पर्धी माहौल में, कई मीडिया पेशेवर जो समय-सीमा, आधारभूत अनिवार्यताओं और कॉर्पोरेट हितों को पीछे छोड़ चुके हैं, वे अपने काम के नैतिक निहितार्थों की दृष्टि खो रहे हैं। इसके अलावा, गैर-जिम्मेदार रिपोर्टिंग के कई मामले भी सामने आए हैं जहां रिपोर्ट ने अदालती कार्यवाही में हस्तक्षेप किया है, संवेदनशील सुरक्षा स्थितियों से समझौता किया है या गलत अथवा असत्यापित समाचारों को फैलाया है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) मीडिया के पेशे में विद्यमान नैतिक मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) अनैतिक रिपोर्टिंग और समाचारों को सनसनीखेज बनाने से समाज पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(c) मीडिया में नैतिकता की भूमिका को सुदृढ़ करने के लिए क्या किया जा सकता है?

उपर्युक्त प्रकरण मीडिया नैतिकता से संदर्भ रखता है, जिसमे जर्नलिज्म के सिद्धांत आड़े आते हैं।

(a) नैतिक मुद्दे

(1) सबसे पहला मुद्दा, मीडिया समूहों द्वारा टी.आर.पी. के लिए अफवाहों

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

को फैलाने का है, जिससे साम्प्रदायिक द्वेष फैलता है।

(ii) साथ ही मीडिया चरित्र निर्माण या किसी के चरित्र पर जनता की मनोवृत्ती निर्माण मे अहम भूमिका निभाते हैं, चाहे कोई दोषी हो या नही।

(iii) इसके अलावा मीडिया समूह कई बार ऐसे ऑपरेशन कर रहे होते हैं, जिनसे सुरक्षा एजेंसियों को खतरा रहता है, जैसे मुम्बई हमले के दौरान रिपोर्टिंग

(iv) साथ ही मीडिया समूह, राजनीतिक सॉठ-गॉठ के कारण, निष्पक्ष रिपोर्टिंग न करके, किसी एक राजनैतिक दल का समर्थन करते हैं।

(v) साथ ही न्यायालय के निर्णय आने से पहले ही, स्वयं निर्णय निकालने लगते हैं, जो किसी भी व्यक्ति की निजता को खतरे में डाल सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) नैतिक रिपोर्टिंग व समाचारों को सनसनीखेज बनाने से समाज पर प्रभाव

(i) इससे समाज में सम्प्रदायवाद व कट्टरवाद बढ़ता है, आपसी सद्भाव कम होता है।

(ii) साथ ही इससे समाज में सकारात्मक विचार न आकर नकारात्मक मनोवृत्ति का निर्माण होता है।

(iii) समाज में नकारात्मक राजनीतिक मनोवृत्ति विकसित होती है, जिससे कहीं न कहीं स्वतंत्र चुनाव का लक्ष्य भी बाधित होता है।

(iv) इसके अलावा इससे किसी के प्रति मानहानि, हेट स्पीच को बढ़ावा मिलता है, जो समाज के स्वास्थ्य के लिए सही नहीं है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) निम्न कदम उठाये जा सकते हैं:

(i) सभी प्रकार के मीडिया संगठन, जैसे प्रेस परिषद, ब्रोडकास्टिंग संगठन आदि अपने - अपने सदस्यों के लिए नैतिक चार्टर या आचरण संहिता निर्मित करें।

(ii) किसी भी मामले पर न्यायालय के निर्णय आने से पहले मीडिया पर उसके संबंध में कोई भी निर्णय करना प्रतिबंधित हो।

(iii) साथ ही दिशानिर्देश हो, जिसमें किसी भी पत्रकार को इस पेशे में आने से पहले हस्ताक्षर करना पड़े।

(iv) जनता में ऐसी मीडिया साक्षरता हो, जिससे वह खराब रिपोर्टिंग का बहिष्कार कर सके।

(v) चुनाव आयोग, राजनीतिक दलों से संबंधित रिपोर्टिंग को विनियमित

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

करे।

(vi) ~~कोई~~ मार्जिन प्रकाशक हो, जिन्हें निजस्व व स्वास्थ्य ~~रिपोर्टिंग के लिए~~ दिया जाए।

(vii) टी-आर-पी- प्रणाली और अधिक लोकतांत्रिक व प्रसारित व प्रभावी किया जाये, ताकि मीडिया समूहों की जवाबदेही सुनिश्चित हो सके।

अतः उपर्युक्त कदमों के माध्यम से मीडिया के नैतिक सिद्धांतो को पाया जा सकता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are the Dean of Academics of a University. It has been brought to your notice that some students have raised a complaint against Mr X, a specially-abled Professor at the University, for not performing his academic duties diligently. The Head of the Department (HoD) tried to have a conversation with him regarding these complaints; however, Mr X feels that he is a victim of internal politics and is being discriminated against on account of him being specially-abled. He also conveyed to the HoD that he will file a complaint of discrimination against the University under The Rights of Persons with Disabilities Act, 2016. As the Dean of Academics, it is your responsibility to uphold the academic standards of the University and take any administrative decision in this regard.

In this case, answer the following questions:

(a) State the stakeholders and the ethical issues in the given case.

(b) What are the options available to you?

(c) Evaluate each of these options and state the option which you would choose, citing reasons. **(20)**

आप एक विश्वविद्यालय के अकादमिक डीन हैं। यह आपके संज्ञान में लाया गया है कि कुछ छात्रों ने विश्वविद्यालय के एक दिव्यांग प्रोफेसर मिस्टर X के विरुद्ध अपने शैक्षणिक कर्तव्यों का ईमानदारी से निर्वहन नहीं करने के लिए शिकायत की है। विभागाध्यक्ष (HoD) ने इन शिकायतों के संबंध में उनसे बात करने का प्रयास किया है; हालांकि, मिस्टर X को लगता है कि वह विश्वविद्यालय की आंतरिक राजनीति के शिकार हैं और उनके दिव्यांग होने के कारण उनके साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने विभागाध्यक्ष को यह बताया भी है कि वह *दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016* के तहत विश्वविद्यालय के भेदभाव के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराएंगे। अकादमिक डीन के रूप में आपकी यह जिम्मेदारी है कि आप विश्वविद्यालय के शैक्षणिक मानकों को बनाए रखें और इस संदर्भ में आवश्यक प्रशासनिक कार्रवाई करें।

इस प्रकरण के संदर्भ में, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) प्रस्तुत प्रकरण में शामिल हितधारकों और नैतिक मुद्दों का उल्लेख कीजिए।

(b) आपके समक्ष कौन-से विकल्प उपलब्ध हैं?

(c) उनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए और कारण बताते हुए उस विकल्प को बताइए जिसे आप चुनेंगे।

अर्थात प्रशासन दक्षता और संवेदनशीलता के हेतु को दर्शाता है, जिसमें अधिकार व कर्तव्य भाव आते हैं।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a) शामिल हितधारक

(i) मिस्टर X जो की दिव्यांग हैं।
(ii) अकादमिक डीन
(iii) विद्यार्थी
(iv) विभागाध्यक्ष
(v) विश्वविद्यालय

शामिल नैतिक मुद्दे

(i) विश्वविद्यालय में प्राप्त प्रोफेसरों के शैक्षिक कर्तव्यों का मुद्दा।
(ii) दिव्यांग प्रोफेसर का उसके खिलाफ राजनीति होने का आरोप।
(iii) दिव्यांगता के संबंध अधिकार व पेशे के संबंध में कर्तव्य का मुद्दा।
(iv) शैक्षिक मानकों को बनाये रखने का मुद्दा।

(b) हमारे समक्ष विद्यमान विकल्प

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(i) दिव्यांग ~~अधिक~~ प्रोफेसर के खिलाफ प्रशासनिक कार्यवाही की जाए।
— विकल्प – I

(ii) या फिर दिव्यांग प्रोफेसर से इस संदर्भ में बातें की जाए और मामले की गहराई समझी जाए
— विकल्प – II

(iii) इस संबंध में विद्यार्थियों से चर्चा की जाए और प्रोफेसर के संबंध में शिकायतों को सुना जाए।
— विकल्प – III

(c) विकल्प – I

हानि

- जैसा की प्रोफेसर का मानना है, उनके खिलाफ राजनीति हो रही।
- प्रोफेसर की शिकायत भी विश्वविद्यालय के लिए खतरा हो सकती है।

लाभ

- विश्वविद्यालय में शैक्षिक मानक बने रहने चाहिए।
- शिक्षार्थियों की शिकायतों का निवारण

विकल्प -II

हानि	लाभ
~~शिक्षा~~ शिक्षार्थियों की शिकायतें नजरअंदाज होंगी - शैक्षिक माहौल भी प्रभावित हो सकते हैं।	- कोई भी कार्यवाही करने से पहले मामले की तह समझी जा सकती है। - दिव्यांग प्रोफेसर को किसी प्रकार की झूठी शिकायत से रोका जा सकता है।

विकल्प -III

हानि	लाभ
प्रोफेसर जॉन भी विश्वविद्यालय राजनीति का हिस्सा मान सकता है।	- शिकायतों की सच्चाई का पता लगाया जा सकता है। - ~~शिक्षार्थि~~ शिक्षार्थियों की शिकायतें केन्द्र में रहेंगी

हम विकल्प-I को चुनेंगे क्योंकि

(i) विश्वविद्यालय मानक सबसे सक्षम है।

(ii) यदि कोई राजनीति होगी भी तो

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

क्षेत्र में सामने आ पाएगी।

(iii) साथ ही विद्यार्थी शिक्षार्थियों के प्रति जवाबदेही सुनिश्चित होगी।

(iv) शिक्षा की गुणवत्ता को अधिकारों के समक्ष कम नहीं किया जा सकता।

अतः शिक्षा में गुणवत्ता व स्वायत्त संबंध आवश्यक है, जो होने चाहिये।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You have recently been posted as the District Magistrate of a poor district in India where there is a high prevalence of manual scavenging. It has been brought to your notice that manual scavenging has claimed many lives in your district. Upon further enquiry, you found that most of the manual scavengers belong to a particular caste, and majority of them can find employment only by way of scavenging. Even some government departments in your district are employing these people for physical cleaning of sewers/septic tanks without basic safety gear and measures. Despite the rehabilitation programmes for manual scavengers, the administration has been found inefficient in identifying such people in the first place and the efforts to reskill them for employment elsewhere have not yielded desired results.

Based on the given information, answer the following:

(a) Identify the issues associated with manual scavenging.

(b) List the options available to you in the given case. Evaluate the merits and demerits of each.

(c) Discuss some feasible steps that you can take to address this serious problem. **(20)**

आपको हाल ही में भारत के एक गरीब जिले के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त किया गया है जहां हाथ से मैला ढोने (मैनुअल स्कैवेंजिंग) का प्रचलन बहुत अधिक है। आपके संज्ञान में लाया गया है कि आपके जिले में मैला ढोने की प्रथा ने कई लोगों की जान ले ली है। आगे जांच करने पर, आपने पाया कि हाथ से मैला उठाने वाले अधिकांश लोग एक विशेष जाति के ही हैं और उनमें से अधिकांश केवल मैला ढोकर ही रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। आपके जिले के कुछ सरकारी विभाग भी बिना बुनियादी सुरक्षा उपकरणों और उपायों के सीवरों/सेप्टिक टैंकों की भौतिक सफाई के लिए इन लोगों को नियुक्त कर रहे हैं। हाथ से मैला उठाने वालों के लिए पुनर्वास कार्यक्रमों के बावजूद, सर्वप्रथम प्रशासन ऐसे लोगों की पहचान करने में अक्षम रहा है और अन्यत्र रोजगार के लिए उन्हें फिर से कौशल प्रदान करने के प्रयासों के वांछित परिणाम भी नहीं मिले हैं।

ऊपर दी गयी जानकारी के आधार पर, निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

(a) हाथ से मैला ढोने (मैनुअल स्कैवेंजिंग) से जुड़े मुद्दों की पहचान कीजिए।

(b) प्रस्तुत प्रकरण में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों को सूचीबद्ध कीजिए। प्रत्येक के गुणों और दोषों का मूल्यांकन कीजिए।

(c) इस गंभीर समस्या के समाधान के लिए आप जो संभव कदम उठा सकते हैं, उन पर चर्चा कीजिए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उपर्युक्त प्रयत्न हमारे देश में जाति संबंधित सामाजिक बुराई को स्पष्ट करता है।

(a) हाथ से मैला ढोने से जुड़े मुद्दे

(i) इससे इन लोगों की जान को खतरा रहता है।

(ii) साथ ही विशिष्ट जातीय समूह होने से, यह जातिवाद को प्रबल करता है।

(iii) साथ ही यह इन लोगों पर जन मनोवृत्ति को भी दर्शाता है, चूँकि जनता इन्हें अछूत समझती है।

(iv) कहीं न कहीं इन लोगों के अपनी गरिमा से जीने के अधिकार का उल्लंघन भी है।

(b) उपलब्ध विकल्प

(i) ऐसे लोगों को पर्याप्त कौशल दिया जाए व पुनर्वास किया जाए।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

गुण / दोष

गुण
- वैकल्पिक रोजगार
- इनकी गरिमा के साथ जीने का अधिकार

दोष
सरकारी तंत्र की मनोवृत्ती बदलाव मुश्किल।
- साथ ही कार्यक्रम इतना नहीं है।

(ii) प्रशासन ~~के~~ कार्यों में इन लोगों की नियुक्ति न हो

हानी / लाभ

हानी
सिर्फ प्रशासन के होने से कोई बड़ा बदलाव नहीं आयेगा

लाभ
कम से कम प्रशासन में यह समस्या खत्म होगी।

(iii) इन लोगों के लिए पर्याप्त वैधानिक तंत्र का कठोर क्रियान्वयन

हानी / लाभ

हानी
- स्थानीय स्तर पर निगरानी मुश्किल होती है।

लाभ
- सिर्फ जागरूकता होलेगा
- जनता भी सके ऐसे कार्यों में नियुक्ति को रोका जा सकेगा।

(c) आगे कदम

(1) सरकार ऐसे लोगों के लिए पर्याप्त पुनर्वास योजना व मुआवजा प्रदान कर सकती है।

(2) इन लोगों की सटीक गणना व पहचान के लिए डेटा लेना चाहिये।

(3) साथ ही सरकार, इन लोगों को मनरेगा आदि में रोजगार दिला सकती है।

(4) सीवर सफाई में रोबोट जैसी तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा।

(5) साथ ही पर्याप्त सुरक्षा उपकरणों की अनिवार्यता।

(6) इसके अलावा इन लोगों की शिक्षा आदि में भागीदारी सुनिश्चित करना।

(7) पर्याप्त निगरानी तंत्र व अधिनियम का क्रियान्वयन।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)